ISSN 2582-8606
अर्द्धवार्षिक पत्रिका
फिरकी बच्चों की
Firkee Bachchon Ki
वर्ष 3 अंक 2 दिसंबर 2021
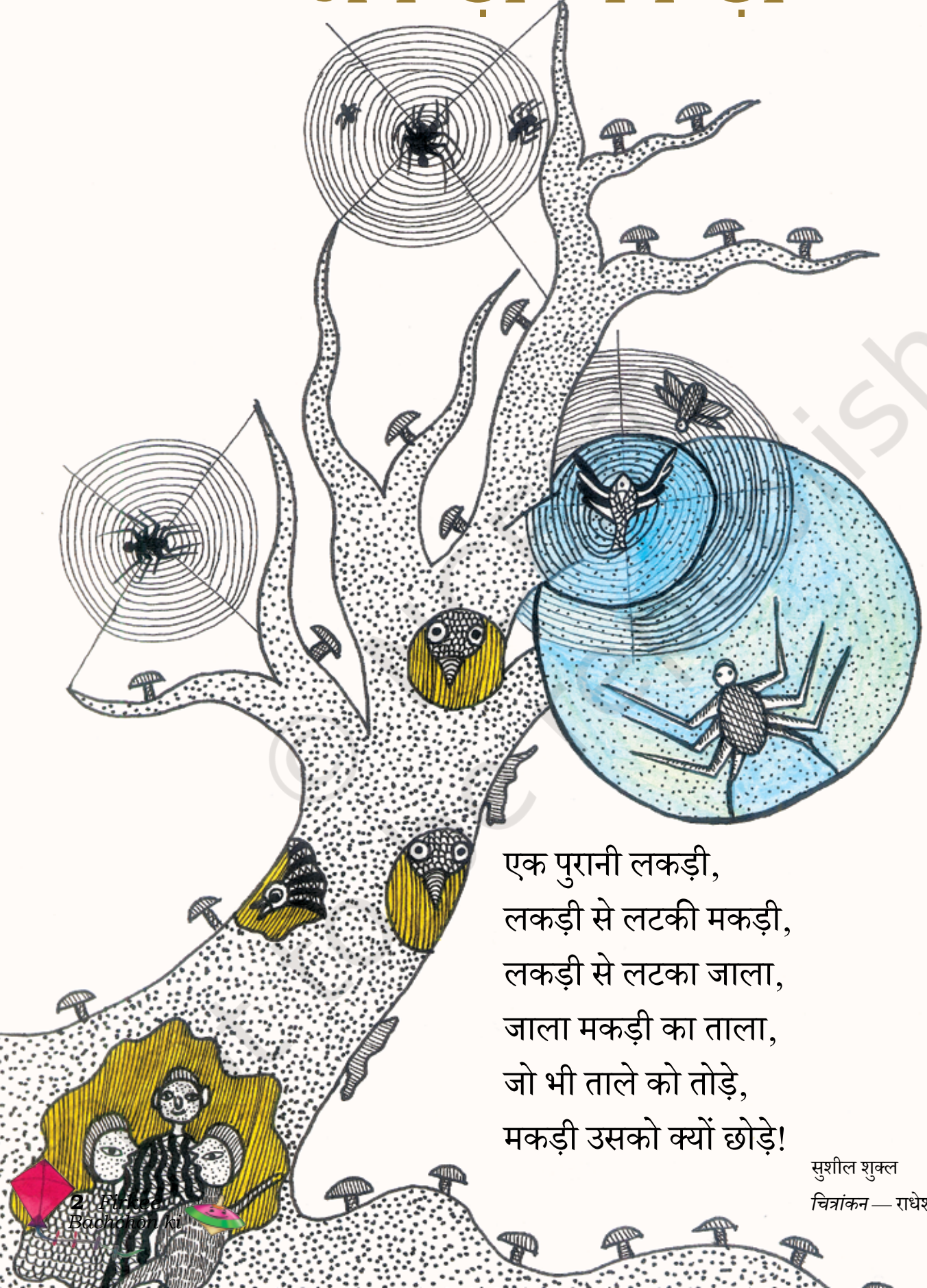
लकड़ी मकड़ी

एक पुरानी लकड़ी,
लकड़ी से लटकी मकड़ी,
लकड़ी से लटका जाला,
जाला मकड़ी का ताला,
जो भी ताले को तोड़े,
मकड़ी उसको क्यों छोड़े!

सुशील शुक्ल

चित्रांकन — राधेश्याम खैरवार

इस अंक में
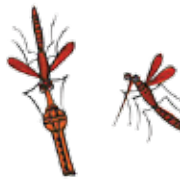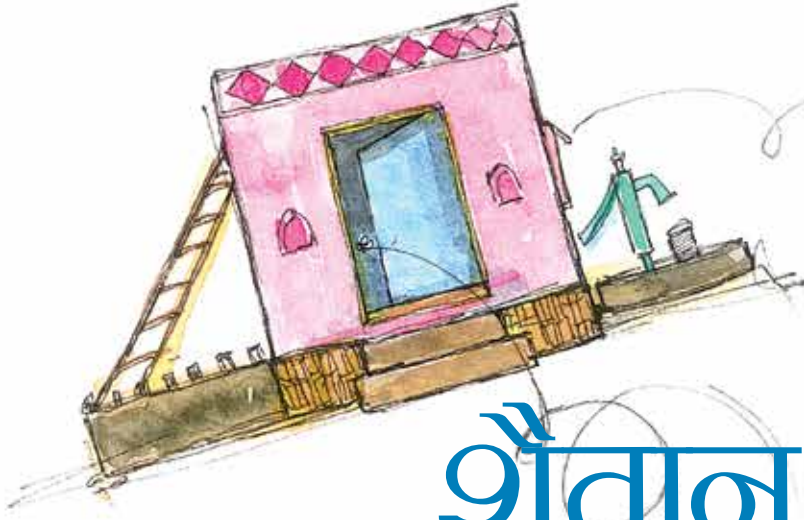
शैतान मक्खी

मक्खी है शैतान,
जाने क्या मन में ठान,
उड़कर वो पल भर में,
जा पहुँची इक घर में,
खुले दरवाज़े पाकर,
घुसी नाक में जाकर,
नाक ज़ोर से छींकी,
मक्खी भागी चीखी!

रौनक रावत
कक्षा-5
केंद्रीय विद्यालय नं 1, भोपाल

चित्रांकन — वृषाली जोशी

मच्छर बजा रहे थे बीन
जाने किस से लाए छीन
एक शेर से मरा न एक
एक बंदर ने मारे तीन।
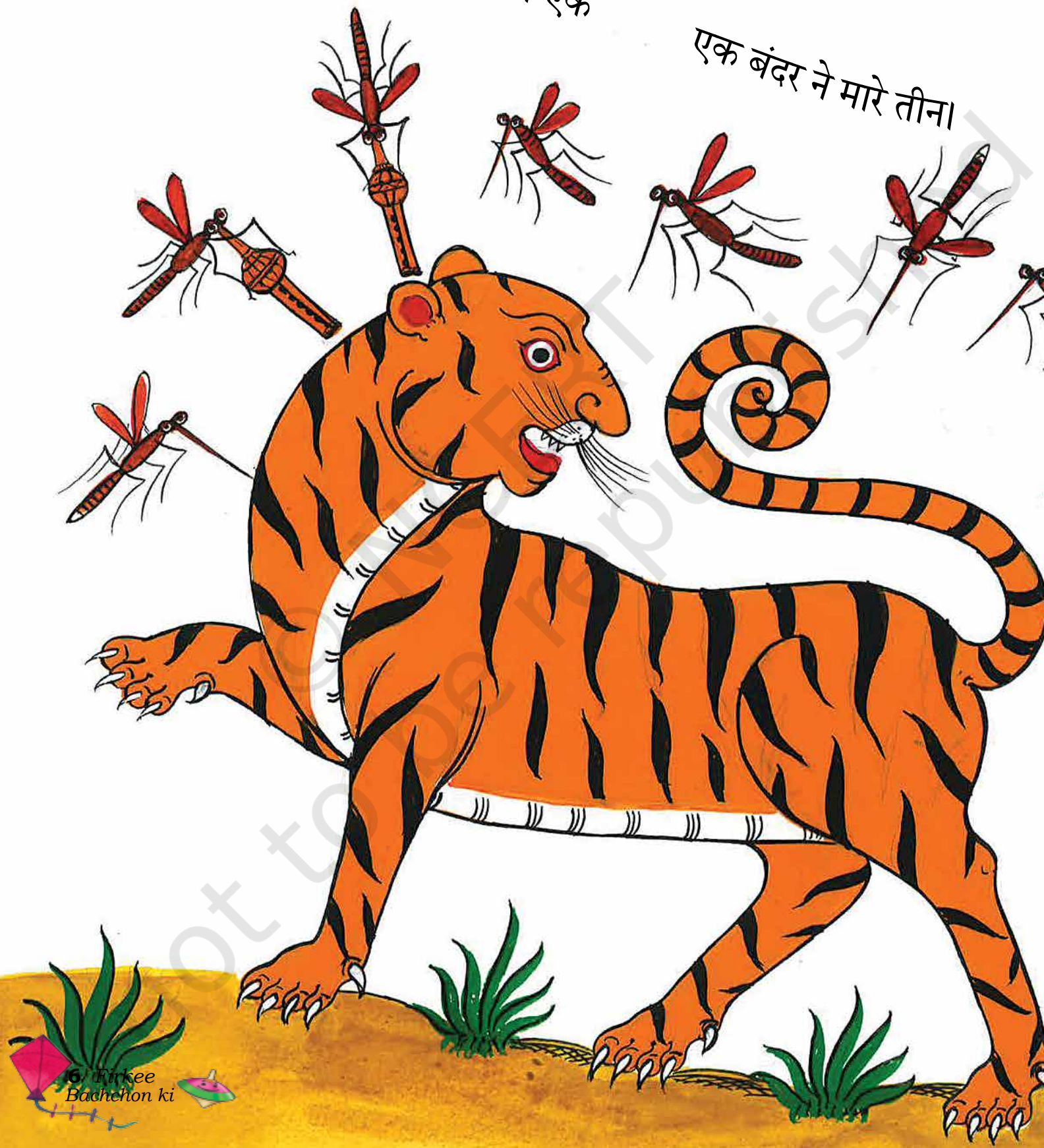
एक तीन
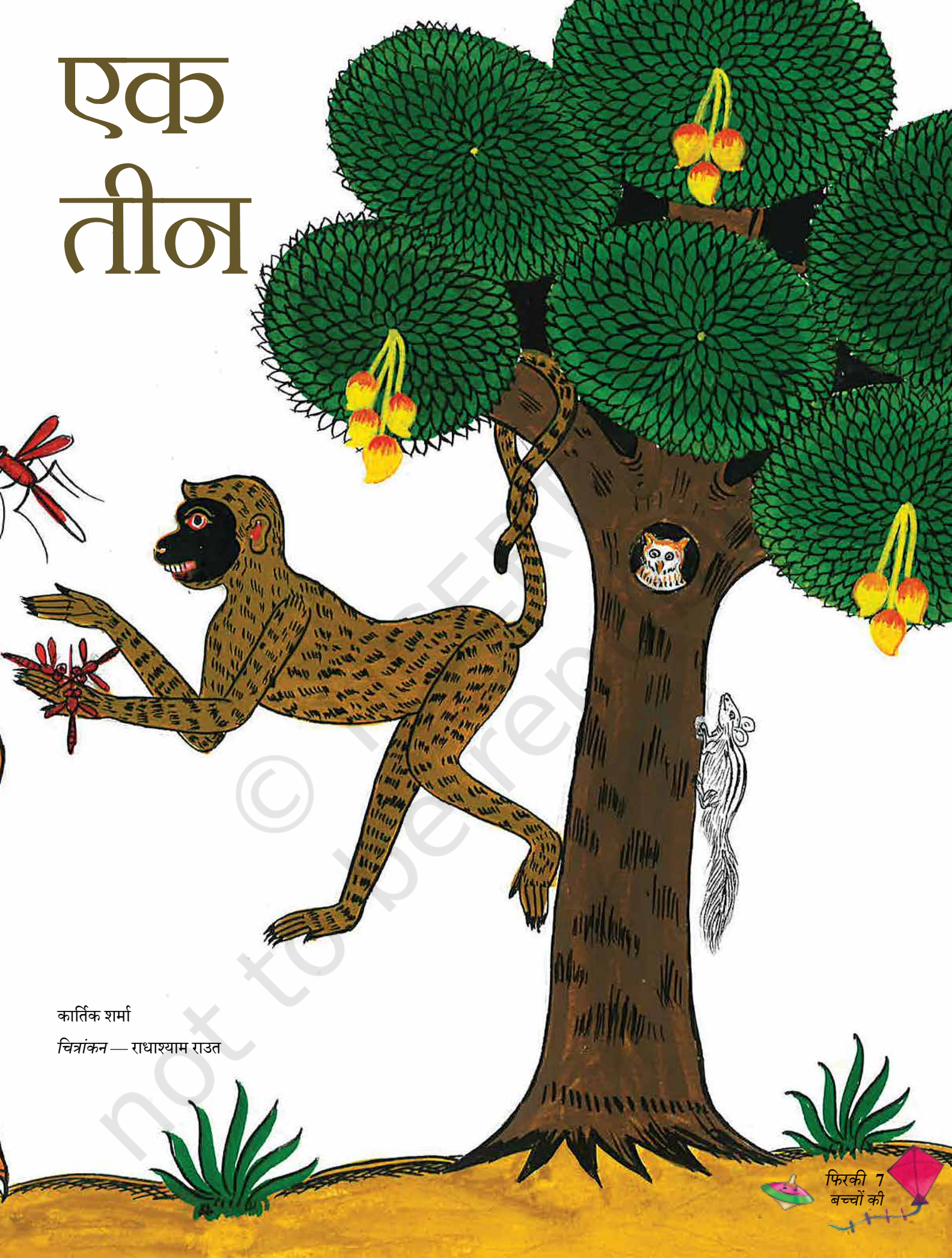
कार्तिक शर्मा

चित्रांकन — राधाश्याम राउत

पानी के बताशे

मुंबई में पानीपूरी
पटना में पुचकी
दिल्ली में खाए गोलगप्पे
यूपी में फुलकी
बंगाल में खाया फुचका
राजस्थान में पताशी
फिर भी चटोरी जीभ
रह गई प्यासी!

श्याम सुशील

चित्रांकन — सौम्या शुक्ला
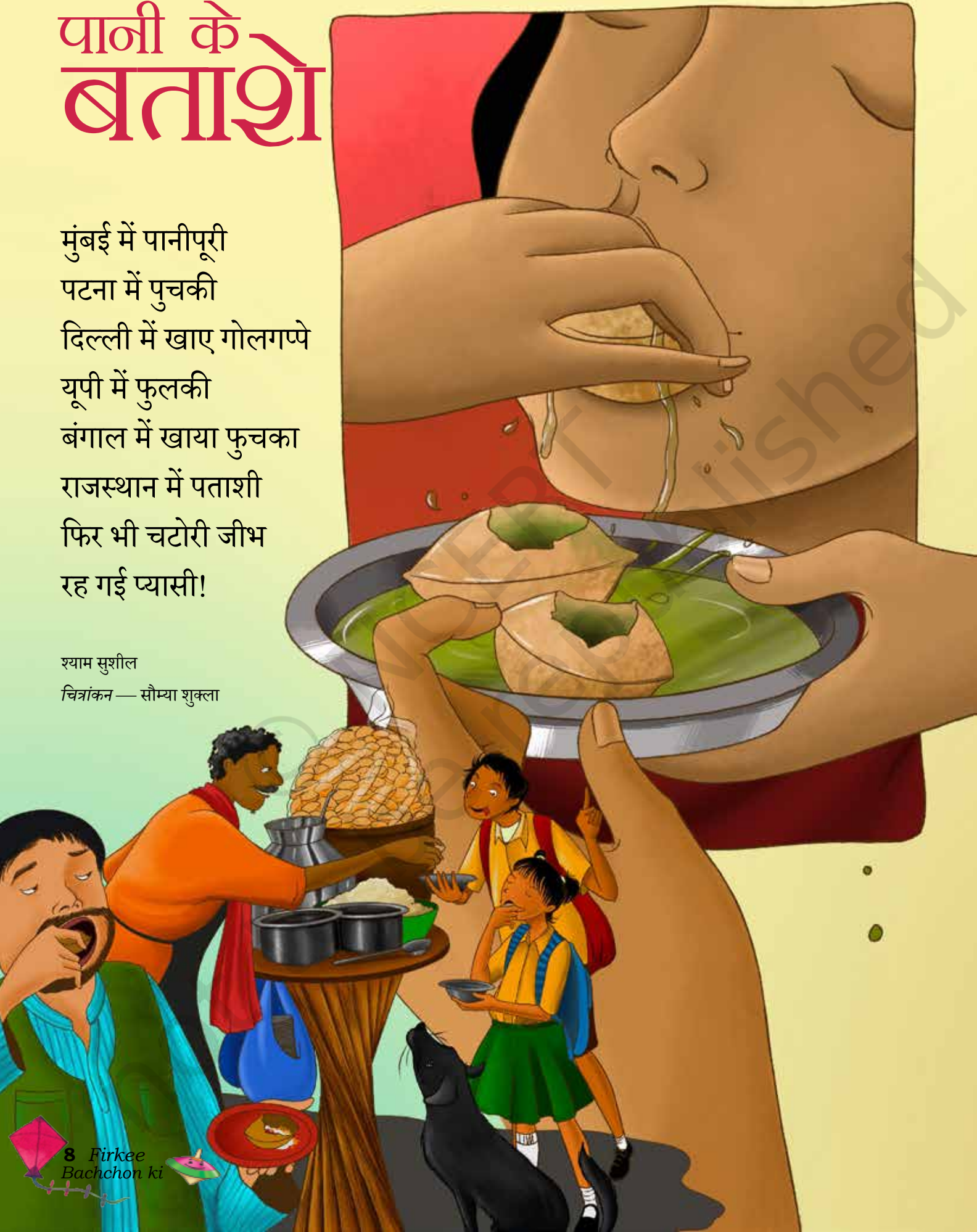
फटाफट

घोड़ा खींचे घोड़ा गाड़ी,
खटाखट, खटाखट, खटाखट,
चमकू झमकू आगे बैठे,
चकाचक, चकाचक, चकाचक,
कच्चे में जो घोड़ा दौड़ा,
टपाटप-टपाटप-टपाटप,
झमकू चमकू गिरे उछलकर,
फटाफट-फटाफट-फटाफट!

प्रभात

चित्रांकन — हबीब अली
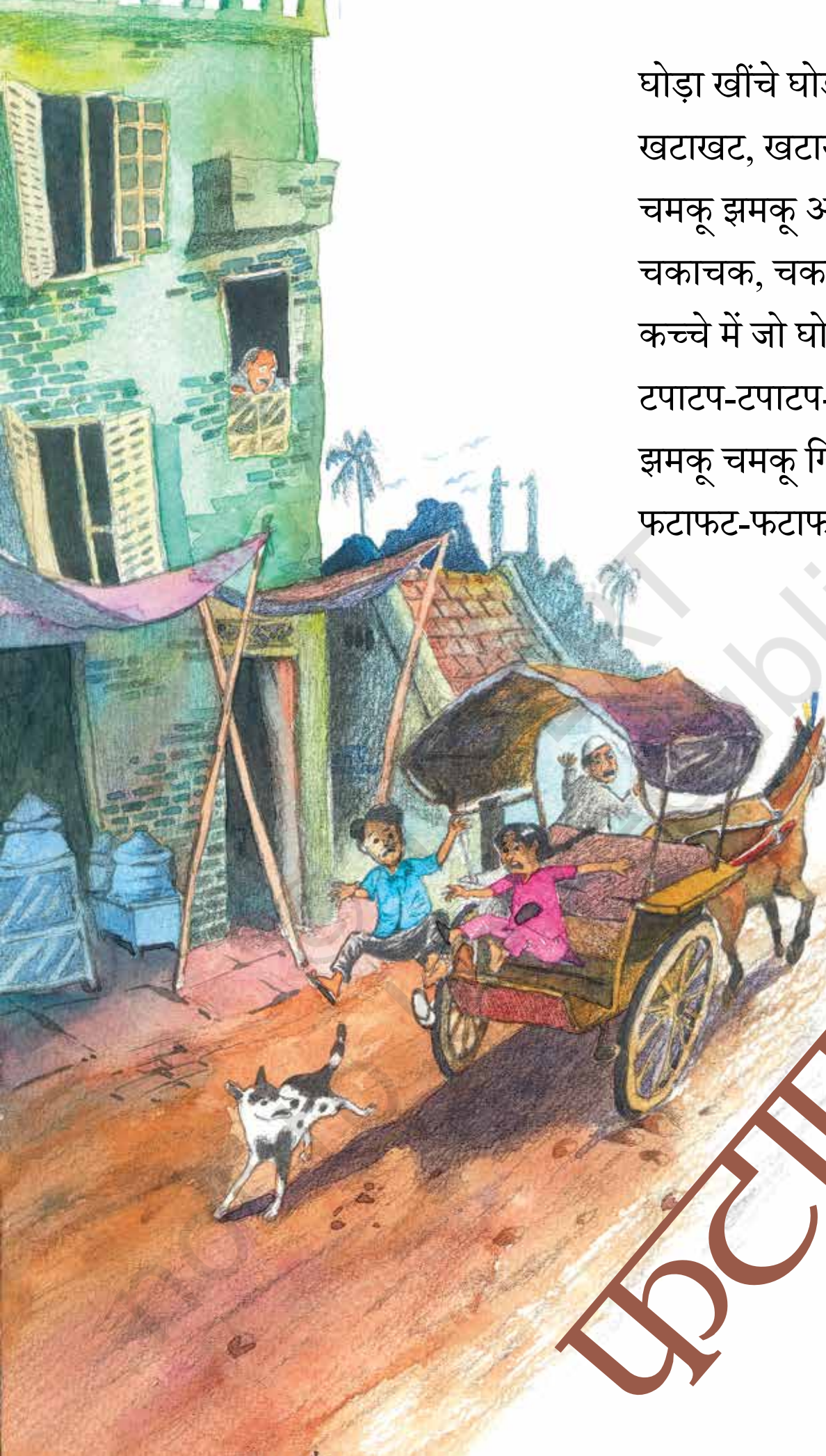
पोस्टमैन

यह देखो थैला लटकाए
पोस्टमैन आता है,
जाने कहाँ-कहाँ से चिट्ठी
किस-किस की लाता है?

शायद वो लाया हो चिट्ठी
मेरे लिए किसी की,
वह हो सकती है पटना से
छोटी मौसी जी की!
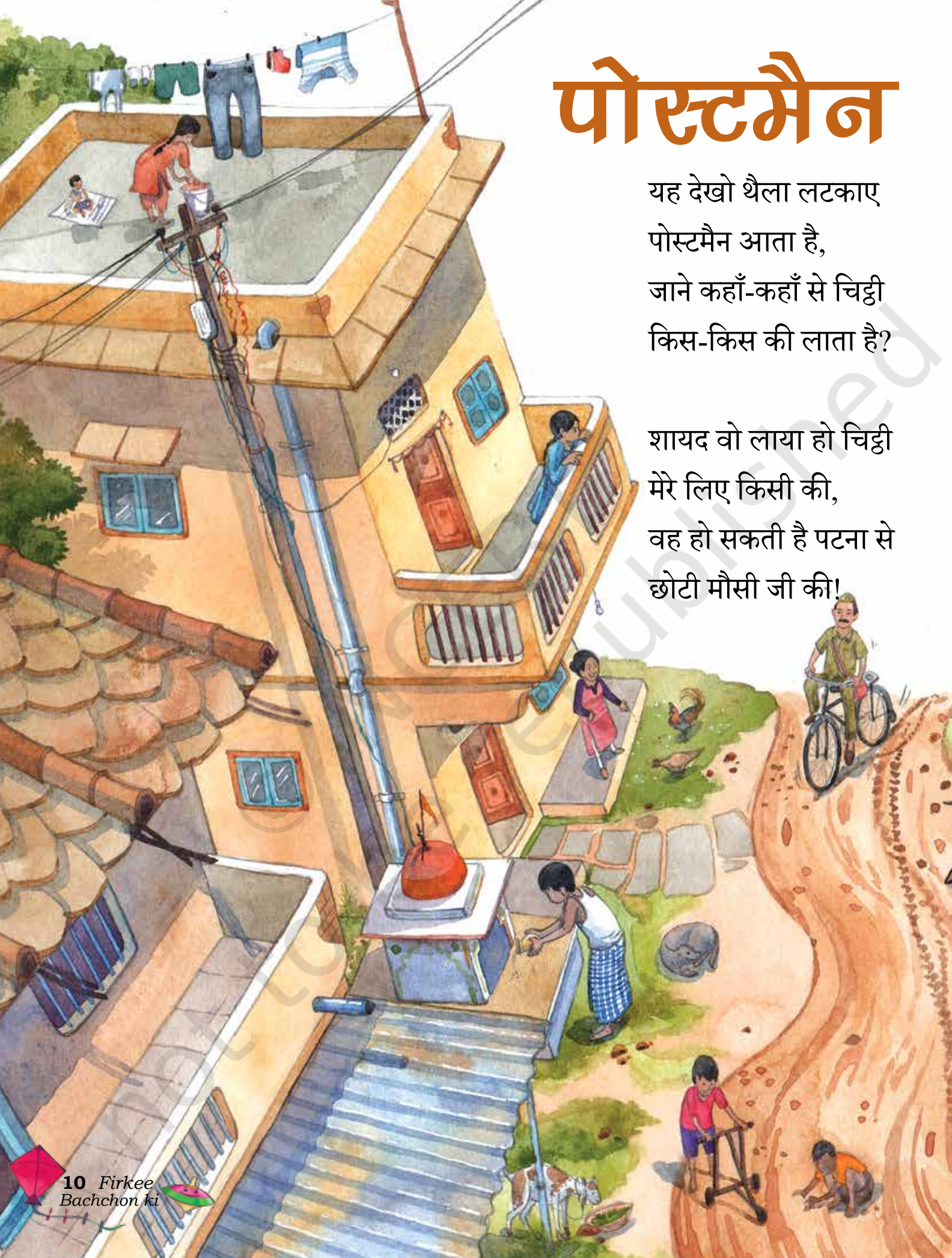
या श्यामू चाचा ने लिखकर
भेजी हो अलवर से,
या मुन्ना भैया ने भेजी
होगी अमृतसर से!

लेकिन यह क्या, पोस्टमैन तो
छोड़ चला मेरा घर,
वह सीधा बढ़ गया गली में
अगले दरवाज़े पर!

निरंकार देव सेवक
चित्रांकन — शुभम लखेरा

बीचों-बीच

चित्रांकन — शशि शेट्ये
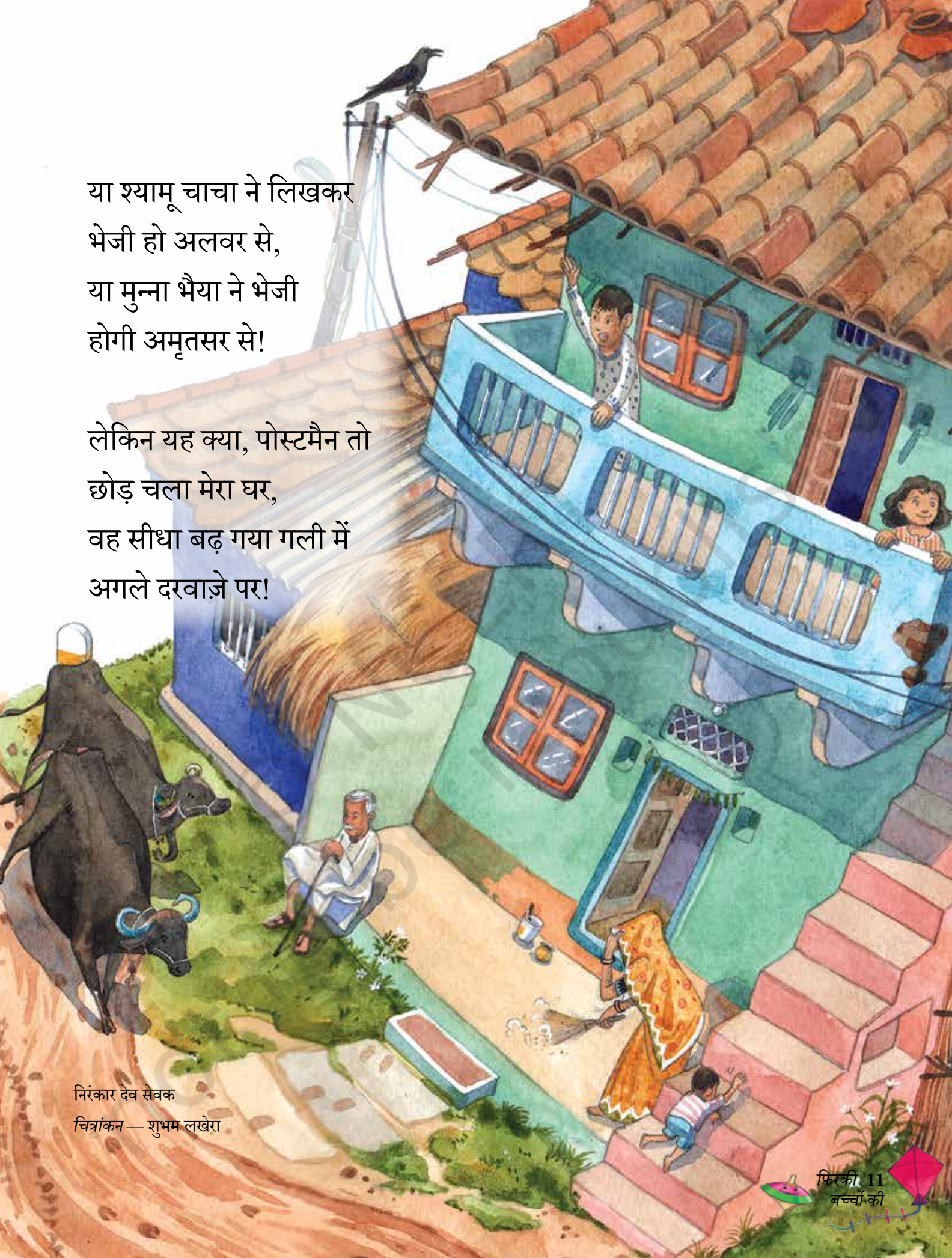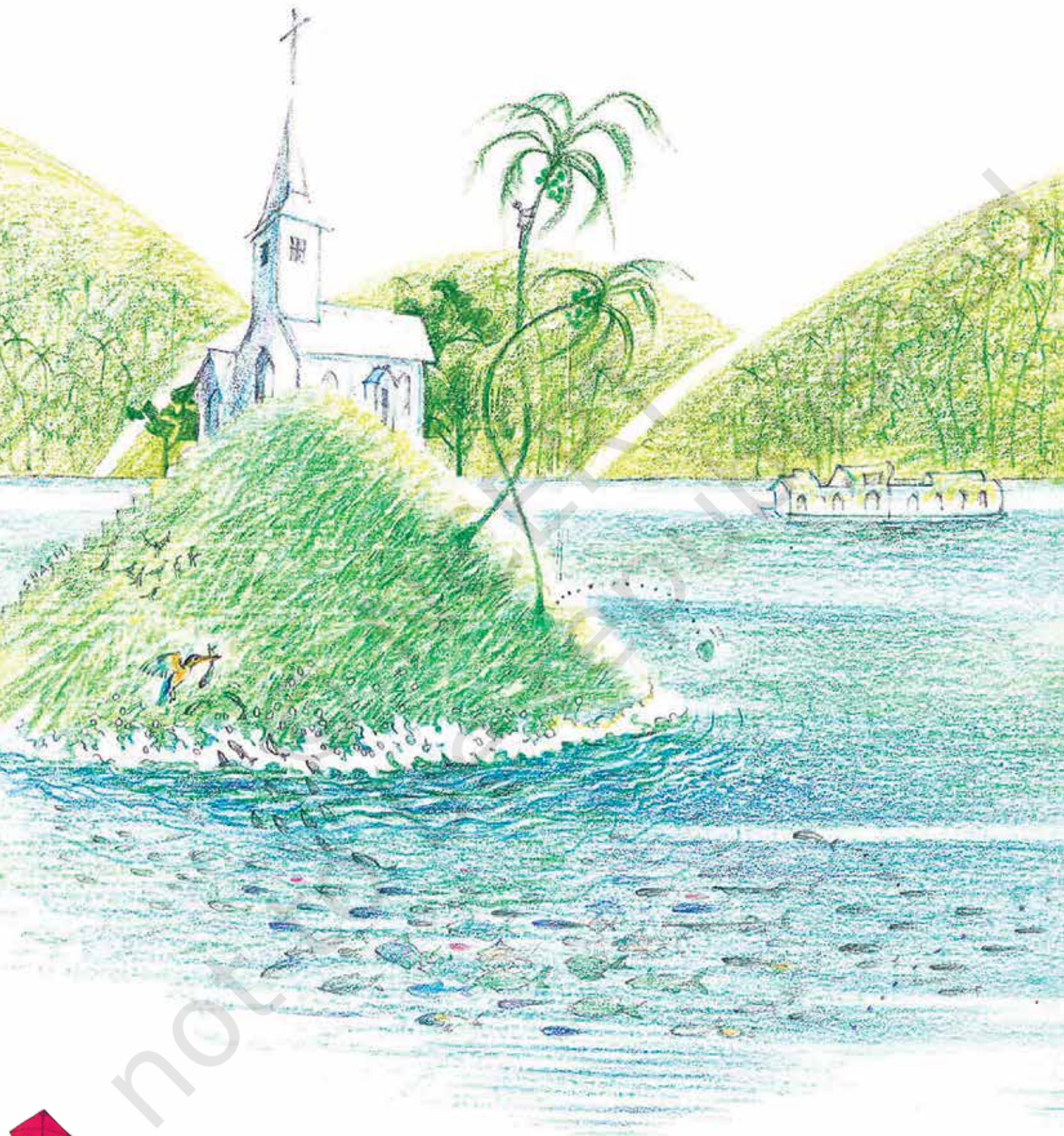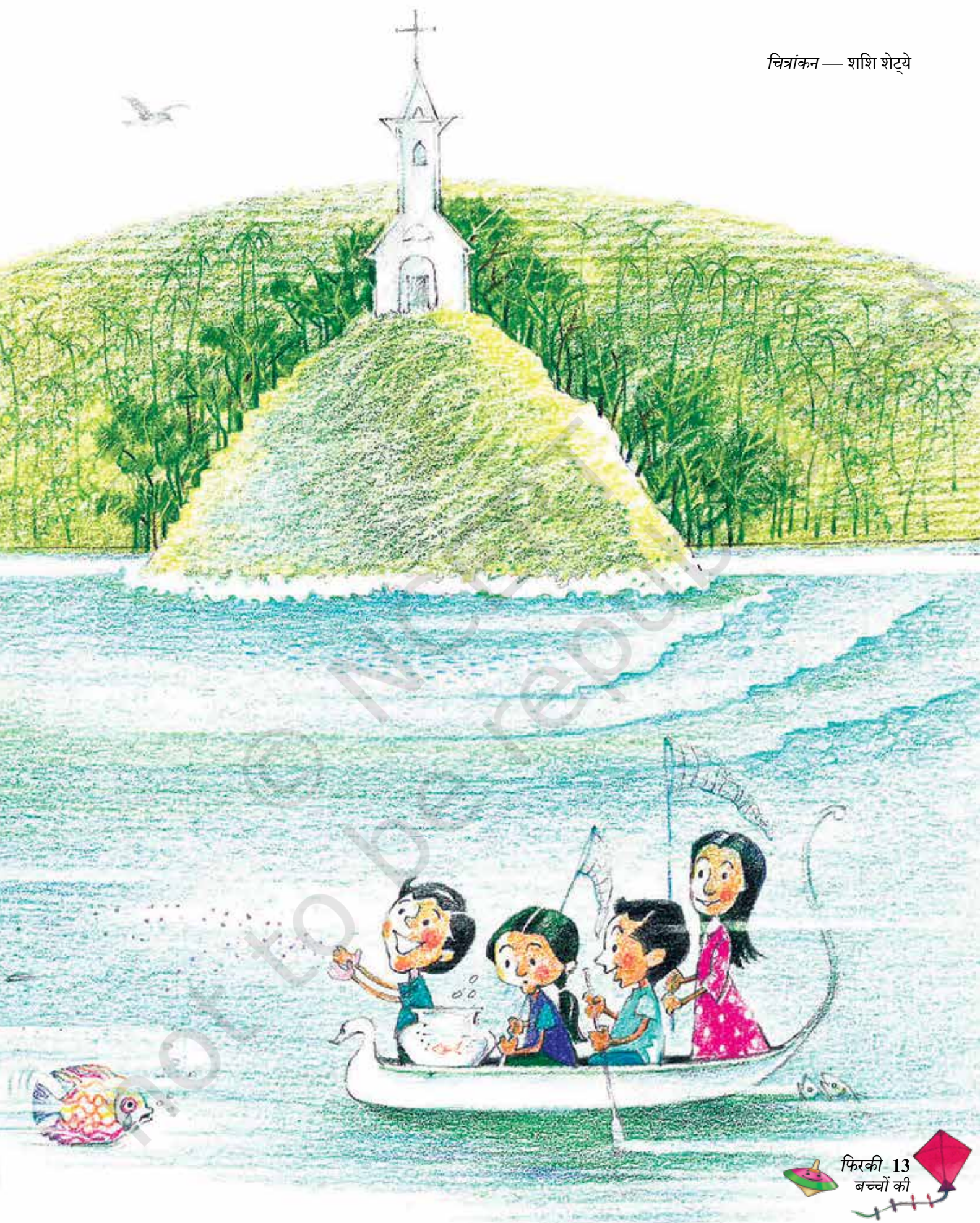
भेड़

भूरी भोली-भाली भेड़!
दे-दे हमको थोड़ी ऊन,
हम बनवाएँगे पतलून।
जब सब हमसे पूछेंगे
कहाँ मिली ऐसी पतलून?
इसकी बड़ी मुलायम ऊन,
तब हम उन्हें बताएँगे,
भेड़ हमारी ताई है
उसने ये बनवाई है।

निरंकार देव सेवक

चित्रांकन — हबीब अली
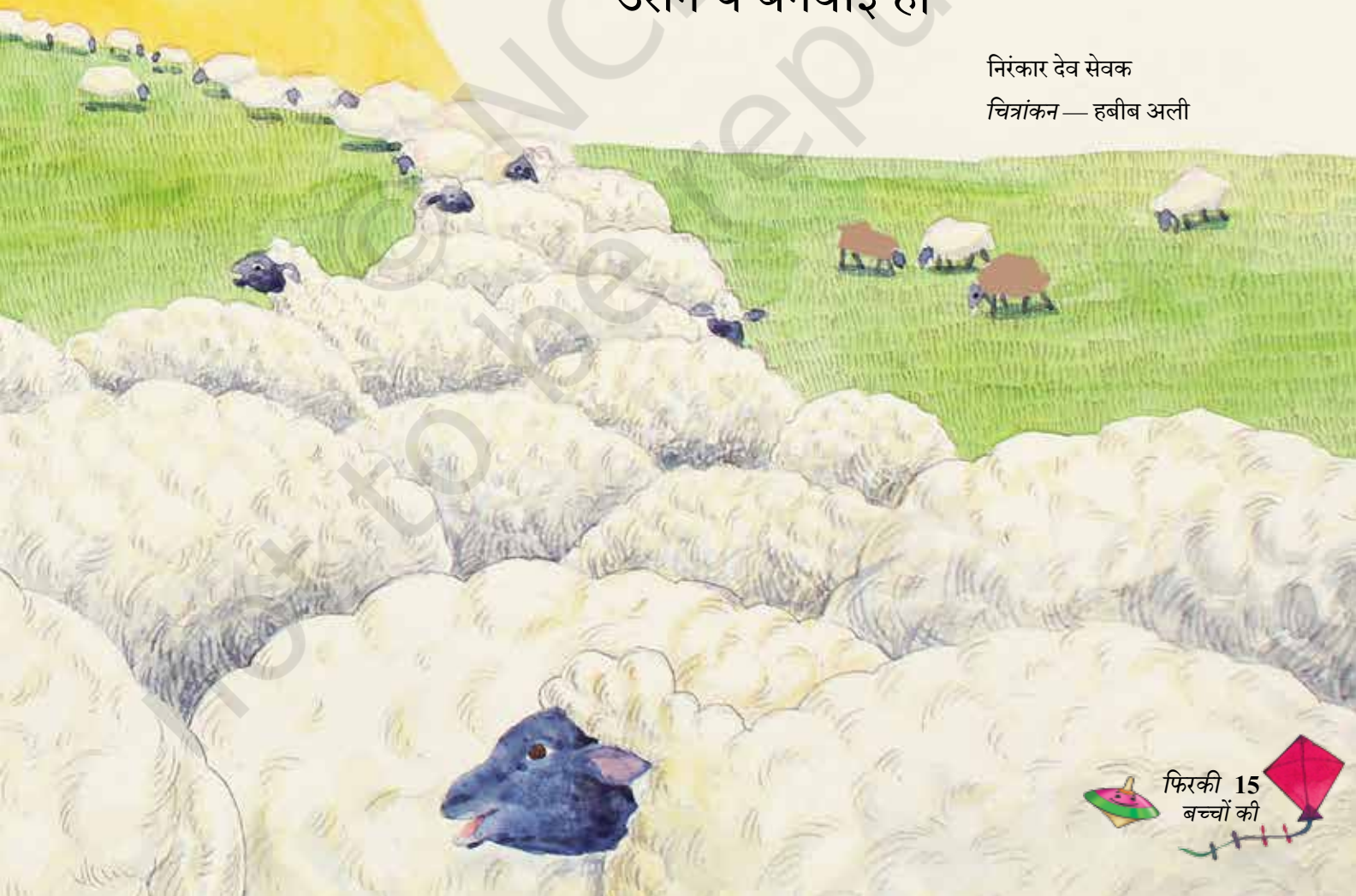
This is the key

This is the key of the kingdom.
In that kingdom there is a city.
In that city there is a town.
In that town there is a street.
In that street there is a lane.
In that lane there is a yard.
In that yard there is a house.
In that house there is a room.
In that room there is a bed.
On that bed there is a basket.
In that basket there are some flowers.
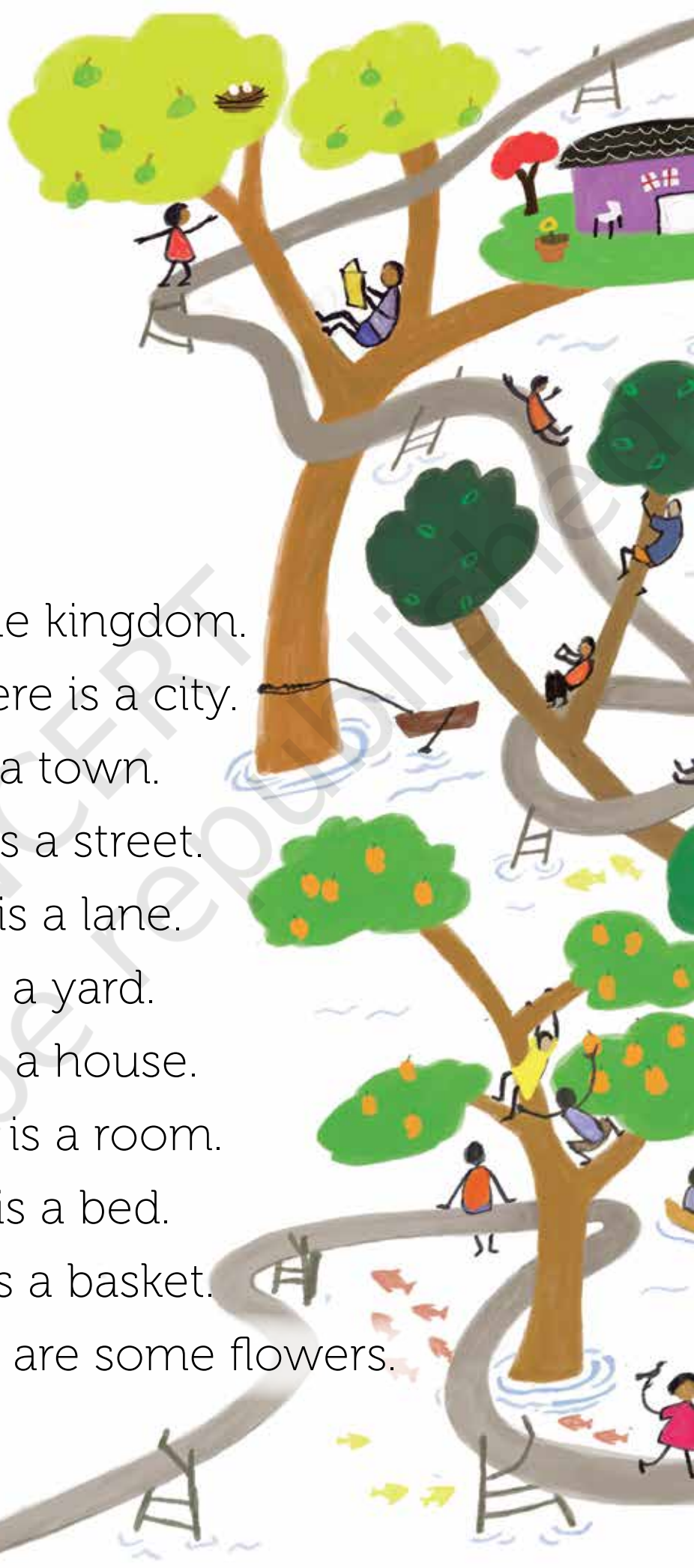
Flowers in a basket.
Basket on the bed.
Bed in the room.
Room in the house.
House in the yard.
Yard in the lane.
Lane in the street.
Street in the town.
Town in the city.
City in the kingdom.
Of the kingdom this is the key.

Courtsey - www.rhymes.com
Illustration- Vrushali Joshi

चूहों का खाना

मिल गया तो चूहों ने
अखरोट खा लिया!
न मिला तो पतलून
कोट खा लिया!

प्रभात
चित्रांकन — शुभम बसंल

लौकी

लंबी-लंबी लौकी,
हरी मिर्च से छौंकी,
प्याज़ ज़रा-सी डाली,
थोड़ी देर उबाली,
पापा मन से बनाए,
इसीलिए बस खा ली!

सुशील शुक्ल
चित्रांकन — शुभम लखेरा
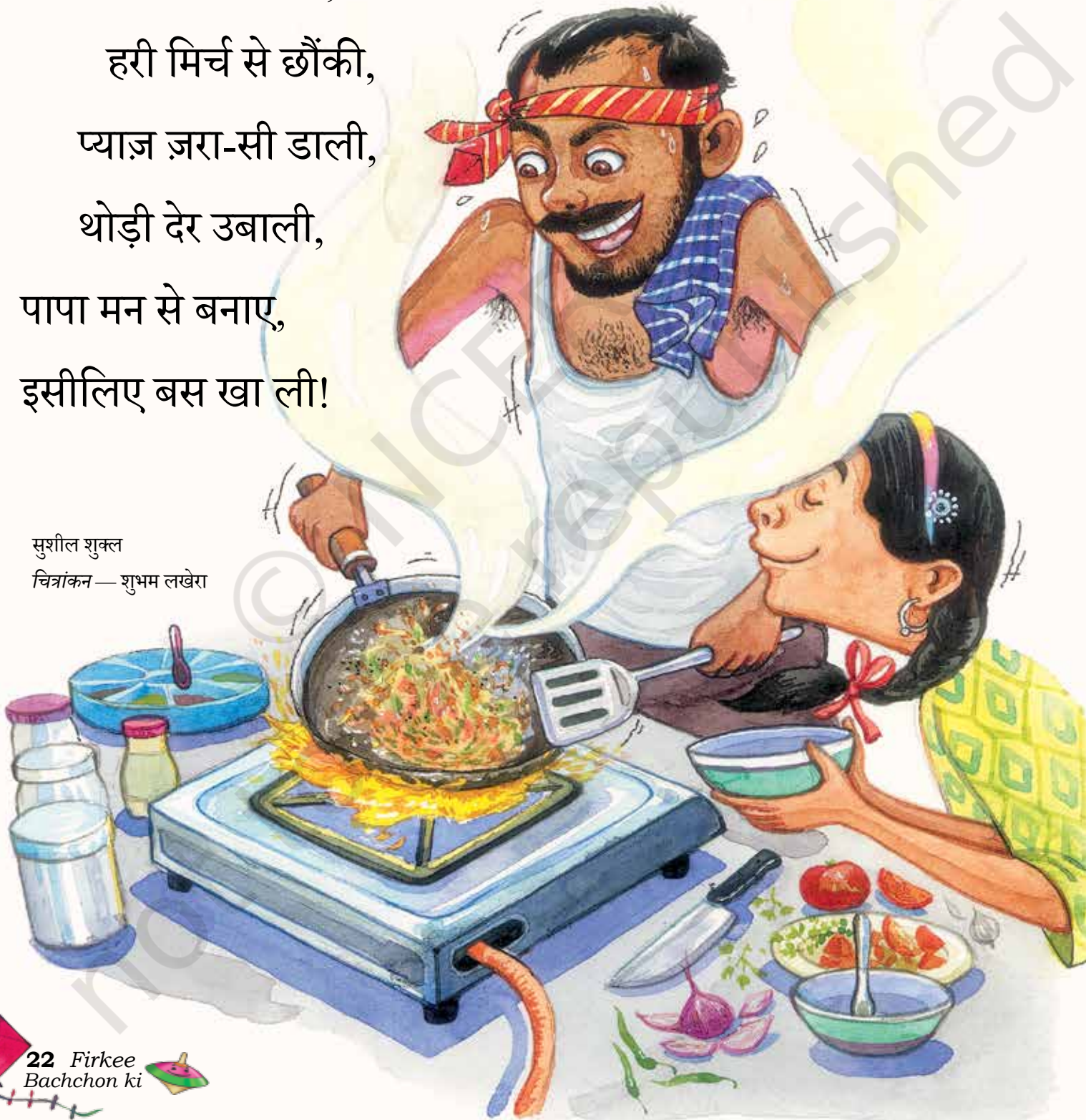
देखो, मैंने क्या बनाया!
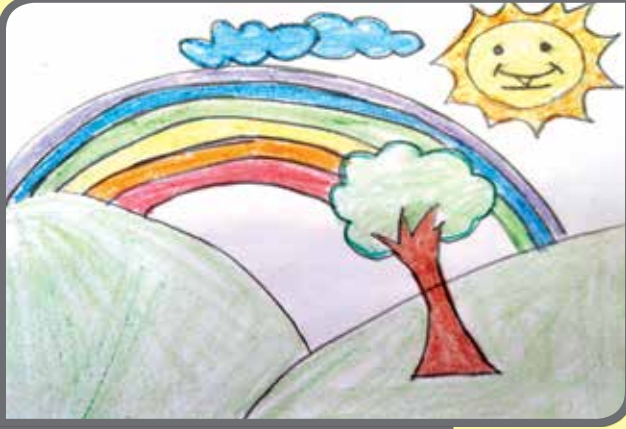
एन. कविन — कक्षा 2, एनडीजेए, विवेकानन्द विद्यालय, व्यासरपदी चेन्नई

श्रेयोवी मजूमदार – एल.के.जी., कोलकाता

मिशिका — ऋषिकुलशाला, हौज़ खास, दिल्ली
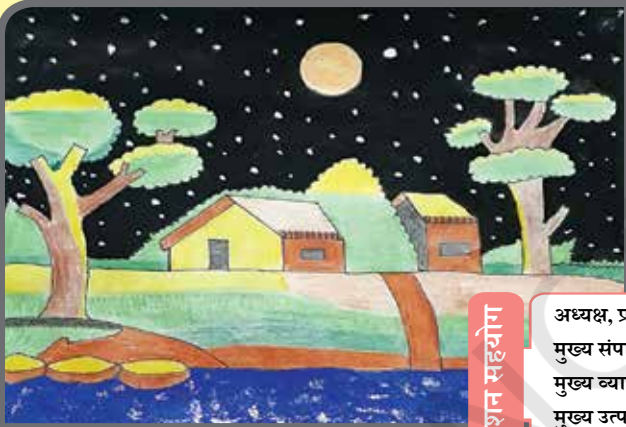
आव्यांश कुमार — यू.के.जी., डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, फ़रीदाबाद

प्रकाशन सहयोग

अध्यक्ष, प्रकाशन प्रभाग	: अनूप कुमार राजपूत
मुख्य संपादक	: श्वेता उप्पल
मुख्य व्यापार प्रबंधक	: विपिन दिवान
मुख्य उत्पादन अधिकारी	: अरुण चितकारा
उत्पादन अधिकारी	: अतुल सक्सेना

संपादन मंडल

मूल संकल्पना	रीडिंग डेवलपमेंट सेल
शैक्षणिक संपादक	उषा शर्मा
संपादन मंडल	कीर्ति कपूर ज्योत्स्ना तिवारी मीनाक्षी खार श्वेता उप्पल संध्या सिंह
सहयोग	किरन शर्मा मीनाक्षी
साज-सज्जा	डिजिटल एक्सप्रेसेंस

सुझावों तथा प्रतिक्रियाओं के लिए संपर्क करें

उषा शर्मा (शैक्षणिक संपादक)
कक्ष संख्या 307, तीसरी मंज़िल, जी. बी. पंत ब्लॉक
एन.सी.ई.आर.टी., श्री अरविंद मार्ग,
नयी दिल्ली 110016
दूरभाष— 011-26592293
ईमेल— firkeebachchonki.ncert@gmail.com

PD 2T SU

100 जी.एस.एम. आर्ट पेपर पर मुद्रित

प्रकाशन प्रभाग में सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविन्द मार्ग, नयी दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशित तथा विबा प्रेस प्रा. लि., सी-66/3, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेज़-II, नयी दिल्ली - 110 020 द्वारा मुद्रित।

₹ 35.00
Registration No. DELBIL/2019.77753

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
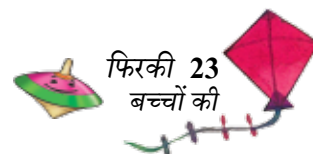
खट-खट-खट

हुआ लिफ़्ट में पावर कट,
मोबाइल में टावर कट,
भालू दरवाज़े को पीटे,
खट-खट-खट,
खट-खट-खट।

प्रभात

चित्रांकन — तपोशी घोषाल